पिट्स

आर.एन.आई. ३८१३९/८१

www.pits.co.in

वर्ष २९ अंक-२४ सोमवार, २ फरवरी २००९ पृष्ठ १६ मूल्य दो रुपये

श्रीलंका के कोलंबो में हुए दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में मेहमान टीम भारत ने मेजबान श्रीलंका को 15 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त ले ली है।

—ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट—

सबसे आगे हिन्दुस्तानी

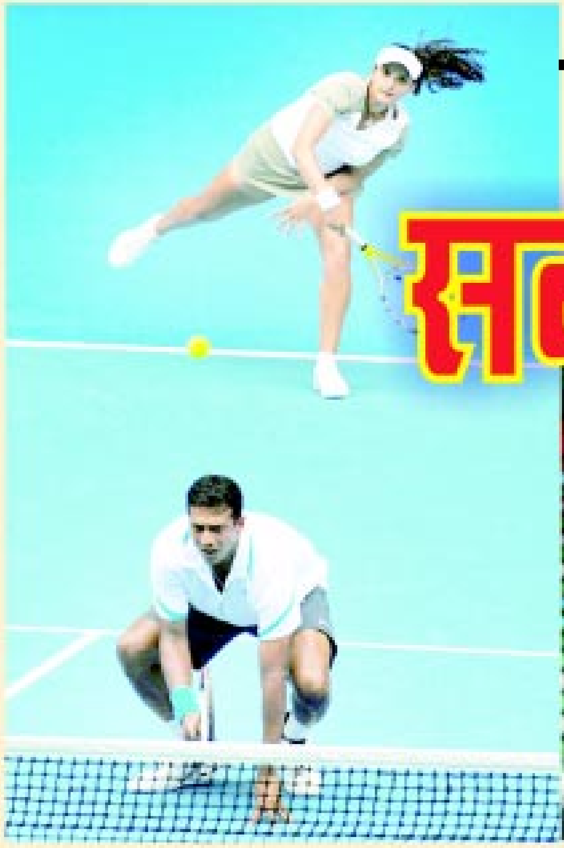

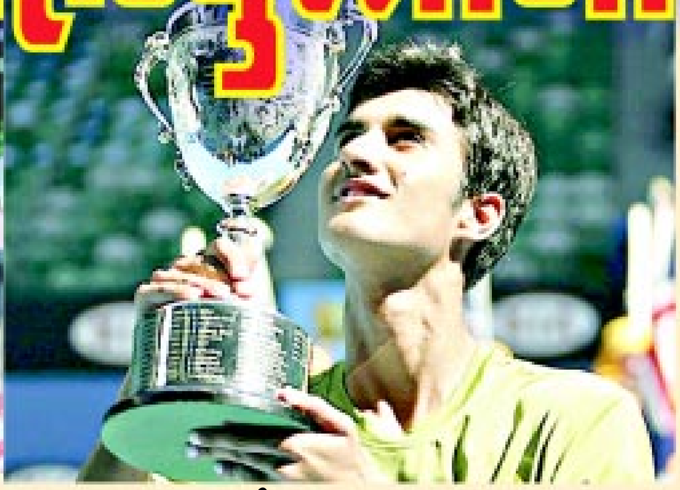

सानिया-भूपति ने मिक्सड डबल्स और यूकी भांबरी ने जूनियर वर्ग का खिताब जीता

इस सप्ताहांत के छुट्टी के मूड को महेश भूपति और टेनिस सनसनी सानिया मिर्जा के साथ जूनियर खिलाड़ी यूकी भांबरी ने अपने-अपने वर्ग के ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के खिताब जीतकर खुशनुमा बना दिया और विश्व को दिखा दिया कि सबसे आगे हैं हिन्दुस्तानी.

आस्ट्रेलियन ओपन में भारत के दिग्गज टेनिस खिलाडी महेश भूपति और सानिया मिर्जा की जोडी ने मिश्रित युगल वर्ग का खिताब जीतकर ग्रैंड स्लैम में इस खिताब को जीतने वाली पहली भारतीय जोडी बन गई। भूपति और सानिया की जोडी ने इजरायल के एंडी रैम और फ्रांस की नताली डेची की जोडी को सीधे से में आसानी से 6-3, 6-1 से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

भारतीय जोडी को यह खिताबी मुकाबला जीतने में ज्यादा पसीना नहीं बहाना पडा और उन्होंने इसे महज 55 मिनट में जीत लिया। खेल की शुरूआत से ही भूपति और सानिया की जोडी अपनी प्रतिद्वंदी जोडी पर हावी रही। पहले सेट को 6-3 से अपने नाम के बाद भारतीय जोडी ने रैम और डेची की जोडी को दूसरे सेट में उबरने का कोई मौका नहीं दिया। दूसरे सेट को 6-1 से जीतकर भूपति और सानिया ने खिताब पर कब्जा जमा लिया।

उल्लेखनीय है कि मिश्रित युगल वर्ग में यह भूपति का सातवां खिताब है जबकि टेनिस सनसनी के नाम से चर्चित सानिया का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। भूपति ने दूसरी बार आस्ट्रेलियन ओपन के मिश्रित युगल खिताब पर कब्जा जमाया है। उन्होंने वर्ष 2006 में स्विटजरलैंड की मार्टिना हिंगिस के साथ इस खिताब पर कब्जा किया था।

उधर दिल्ली के उभरते टेनिस सितारे युकी भांबरी ने शनिवार को इतिहास रच दुनिया में भारत का नाम रौशन कर दिया। युकी जर्मनी के एलेक्जेंड्रोस फर्डिनांदोस जार्जोदास को मात्र 57 मिनट में 6-3, 6-1 से हरा जूनियर ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन बन गया। भारत का पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन जूनियर चैंपियन। युकी के साथ क्रिकेट खेलने वाले भी खुश हैं और पड़ोसियों के चेहर भी खिले हुए हैं।

अमेरिका के बिस्केन में आरेंज बाउल टेनिस चैम्पियनशिप में एकल खिताब जीतने के साथ ही युकी ने वर्ष 2008 के अंत में विश्व जूनियर रैंकिंग में दूसरे स्थान पर छलांग लगा दी। उन्होंने जापान में ओसाका मेयर्स कप और इंडोनेशिया में एशिया ओसनिया चैम्पियनशिप के खिताब भी जीते हैं। सोलह वर्ष के इस खिलाड़ी ने अब सीनियर वर्ग में हाथ आजमाने का मन बनाया है। भारतीय टेनिस संघ के सचिव अनिल खन्ना ने युकी की जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि देश में जूनियर टेनिस की बढ़ती प्रतियोगिता का ही यह सुफल हैं।

कैलेंडर का बसंत

✍ उत्तम झंवर

राष्ट्रपति बराक ओबामा की कुछ खास पहल - उच्च पदों पर आसीन लोगों को बडी रकम का बोनस क्यों? बैंक द्वारा प्राइवेट जेट खरीदने पर रोक। आर्थिक मंदी को दौर में इस तरह के खर्च पर रोक से स्थिरता लाने में काफी मदद मिलेगी। आम लोग भी इस बात से सहमत क्योंकि उनकी पीड़ा को समझने की एक कोशिश भर है ये। हालांकि बाजार में अब भी उठा-पटक जारी है फिर भी लोगों का रूझान अब पैसो को बचा कर रखने और सही इन्वेस्टमेंट में है। अगले तीन से चार साल बाजार में फिर से उठाव लाने के लिए इस तरह की प्लानिंग करना ठीक होगा। इससे शायद अगली बार जो बसंत आएगा वो इतना उमसता हुआ न हो।

मौसम की बात करें तो अब केवल कैलेंडर के साथ बसंत आने लगा है। न अमराई, न बौर, न टेसू और न पलाश। ये सब दिखना तो दूर अब केवल यादों में ही रह गए हैं। कवि की कल्पनाओं में भी रोटी की जुगाड़ है। नौकरी की जोड़-तोड़ में कविता लिखते लोगों के लिए पीले फूलों की बात भी अनजानी है। गांवों में भी लोग बार-बार कटती बिजली और महाजन के कर्जों में उलझे हैं। जड़ों से इस तरह दूर आते रहने से एक रोज हम ये भूल ही जाएगें कि आंगन में संजा और रंगोली सजती थी। इस दौर में न केवल संस्कारों को जीवित रखना है बल्कि आर्थिक आपदाओं से जूझने और खुद को बचाने के लिए संस्कारों की महक को वापस ले आने भी जरूरी है। इंसानियत के लगभग खत्म होते दौर में हर तरह की मुसीबतों से चारों ओर से घिरना लाजिमी सी बात है। अति किसी भी तरह की हो उसका अंत हो कर ही रहता है। क्यों न इस बसंत के साथ ईमानदारी और सच्चाई के रंग को वापस लाने की कवायद की जाए।